## लक्ष्य
अग्रसर भारत का सर्वप्रिय बैंक बनना

## ध्येय
सरल, उत्तरदायी और अभिनव वित्तीय समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध

## मूल्य
सेवा
पारदर्शिता
सदाचार
शिष्टता
निरंतरता

# आपका एसबीआई

भारतीय स्टेट बैंक 200 वर्षों से अधिक की गौरवशाली परंपरा वाला एक विराट संस्थान है। इसकी स्थापना वर्ष 1806 में बैंक ऑफ कलकत्ता के रूप में हुई थी। यह भारतीय उप-महाद्वीप का सबसे पहला वाणिज्यिक बैंक है। एसबीआई भारत का एक बहुराष्ट्रीय, सार्वजनिक क्षेत्र का बैंकिंग और वित्तीय सेवा संगठन है, जिसका गठन भारत के संविधान के तहत किया गया है। यह देश की 2.6 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और इसकी विशाल जनसंख्या की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए शताब्दियों से अपनी सेवाएं देता आ रहा है।

जन जन का हित भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य कारोबार का अभिन्न अंग रहा है। बैंक का हर संभव प्रयास रहा है कि ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण के साथ अपनी सुनियोजित योजनाएं और सेवाएं जन जन के लिए प्रस्तुत की जाएं, जिससे औसत से औसत भारतीय की वित्तीय आवश्यकताओं को भी पूरा किया जा सके। भारतीय अर्थव्यवस्था के निरंतर बदलते परिदृश्य के अनुरूप बैंक ने पिछले कुछ वर्षों में अपने डिजिटल आधार का विस्तार किया है। भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल को साकार करने में इसकी प्रमुख भूमिका रही है।

भारतीय स्टेट बैंक का मुख्यालय मुंबई में है, जहाँ बैंक की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं को रूपाकार मिलता है। इनकी परिकल्पना व्यक्तिगत ग्राहकों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, बड़े कॉरपोरेटों, सार्वजनिक निकायों और संस्थागत ग्राहकों सभी को ध्यान में रखकर की जाती है। इन्हें ये सेवाएं देने का काम करती हैं बैंक की देश-विदेश में फैली हजारों शाखाएं, ग्राहक सेवा केंद्र, संयुक्त उद्यम और सहायक तथा सहयोगी कंपनियां। बैंक परिवर्तनों को अंगीकार करने में सदैव सबसे आगे रहा है। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता, निरंतरता, सामाजिक उत्तरदायित्व और ग्राहक सेवा के उसके मूल्यों ने सदैव इसका पथ प्रशस्त किया है।

yono by SBI

# भारतीय स्टेट बैंक की उपलब्धिपूर्ण यात्रा

**भारत का सबसे बड़ा बैंक (जमाराशियाँ, अग्रिम, ग्राहकों की संख्या और बैंकिंग सेवा केंद्र)**

ग्राहक — सं. (करोड़ में) **43.51**

बाजार अंश — %
जमाराशियाँ **22.38**
अग्रिम **20.09**

कुल शाखाएं — सं. **22,010**

देश भर में एटीएम सीडीएम और रीसाइकलर — सं. **58,415**

व्यवसाय प्रतिनिधि सेवा केंद्र — सं. **57,467**

वैकल्पिक चैनल लेनदेन का हिस्सा — % **88.1**

पीओएस की संख्या में बाजार में हिस्सा — % **15.93**

डेबिट कार्ड खर्च में बाजार में हिस्सा — % **29.89**

वित्तीय समावेशन खाते — सं. (करोड़ में) **14.25**

वित्तीय समावेशन — राशि (₹ करोड़ में) **31,235**

वित्तीय समावेशन लेनदेन बीसी चैनल के माध्यम से — सं. (करोड़ में) **39.75**

होम लोन्स
(₹ करोड़ में)

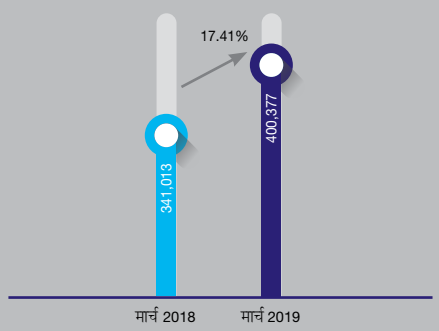




ऑटो लोन्स
(₹ करोड़ में)

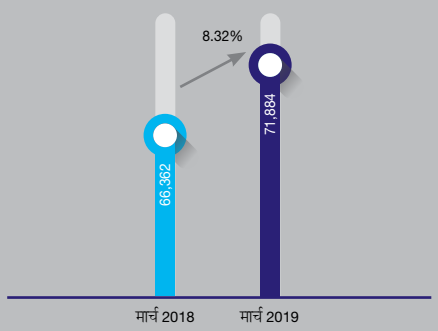




अन्य पी सेग्मेंट लोन्स
(₹ करोड़ में)

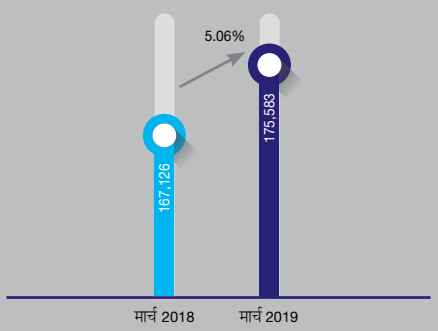

# नई सोच - नए इरादों के साथ

पिछले कुछ वर्षों में हमने अपनी परिसंपत्तियों पर प्रतिलाभ के साथ-साथ इक्विटी पर प्रतिलाभ पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है। हर मोड़ पर हमने कठिन चुनौतियों के समाधान दिए हैं और सदैव बैंकिंग व्यवस्था के उत्कृष्ट मानदंडों से आगे बढ़कर कार्य किया है, जिससे सभी मापदंडों पर बैंक के प्रदर्शन को बेहतर किया जा सके और इस प्रक्रिया में पूँजी-सृजन में हम पूर्णतया आत्म-निर्भर बन सकें।

वित्त वर्ष 2019 बैंक के सभी व्यवसाय समूहों में गुणवत्तापूर्ण वृद्धि देने की हमारी शानदार यात्रा के तौर पर याद किया जाएगा। गुणवत्ता के मामले में हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुँच चुके हैं। पिछले 3-4 वर्षों की कड़ी मेहनत ने हमें 'अग्रसर भारत का सर्वप्रिय बैंक बनने' की नई दृष्टि दी है। यही कारण है कि हम बेहतर कार्य-प्रणालियों एवं कार्य-व्यवहारों के साथ एक बार फिर से विश्व स्तरीय बैंकिंग संस्था के रूप में वही गौरव प्राप्त कर रहे हैं। हमारे मूल्यों से हमारी पहचान है और इनकी सहायता से हम निरंतर बाजार अंश में मजबूती, अपनी विशाल बैलेंस शीट और अपने शेयरधारकों को उनके निवेश का निश्चित रूप से बेहतर मूल्य देने के लिए कृतसंकल्प हैं। हम बैंकिंग के सभी क्षेत्रों में नई पहल करने में अग्रणी रहने की अपनी अंतहीन यात्रा में एक बार फिर से मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में हमारे बैंक को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उनसे निपटने के लिए हमने बहुत से उपाय किए और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुए। इनमें प्रमुख हैं- ऋण प्रक्रियाओं को सख्त करना और अच्छी गुणवत्ता वाला ऋण कारोबार स्वीकृत करने के लिए जोखिम आकलन व्यवस्था का पुनर्निर्धारण करना; मजबूत हामीदारी प्रणालियां लागू करना औक कॉरपोरेट ऋण बही में उच्च गुणवत्ता वाले व्यवसाय को जोड़ना; मजबूत और वृद्धिशील रिटेल बिजनेस जुटाना; अपने दबावग्रस्त ऋणों के सकारात्मक समाधान के लिए युक्तिपूर्ण उपाय करना जिनमें से अनेक मामले समाधान के अंतिम चरण में हैं, अपने शाखा अनुभव को बेहतर करना और भारत की विशाल जनसंख्या तक अपनी पहुंच बढ़ानाः आईटी आधारित कई प्रकार की नई टेक्नोलोजी लगाना और इसके प्रयोक्ताओं से सीधे कारोबार करने के लिए नवोनेमेषी प्लेटफॉर्म शुरू करना, अत्यंत विकसित ट्रेजरी परिचालन बनाए रखना, बड़ी मात्रा में जमा राशियों को अपने पास बनाए रखना जिससे इस विश्वसनीय जमाराशि आधार से बैंक के ऋण कारोबार में पर्याप्त वृद्धि हो सके, अपने मानव संसाधन को अपने काम में और अधिक दक्ष बनाने के लिए प्रणालीगत सुधार व नवोन्मेषन लागू करना।

देश में अपने जबरदस्त कारोबार के अलावा, हम पूरी जिम्मेदारी और सुनियोजित ढंग से अपने अतंरराष्ट्रीय कारोबार को भी चला रहे हैं जिससे हम अपने उन ग्राहकों को भी अपनी सेवाएं दे पाएं जो विश्व स्तर पर अपना कारोबार लगातार बढ़ाते जा रहे हैं। हमारी सहायक कंपनियां भी अपने कारोबार क्षेत्र में अग्रणी बनी हुई और हमारे कारोबार को बढ़ाने में भी योगदान कर रही हैं। हमारा लक्ष्य उनके द्वारा ग्राहकों को निवेश में निरंतर बेहतर मूल्य देना है।

हमारी समस्त बहुआयामी कार्यनीतियों के पूरे संगठन के स्तर पर बेहतर नतीजे दिखने शुरू हो गए हैं जैसा कि वित्त वर्ष 2019 के उत्तरार्ध के बेहतर प्रदर्शन से पता चलता है। आज हमारे पास व्यवसाय में मजबूत वृद्धि दर, मजबूत पूँजी और चलनिधि आधार है। बैंकिंग क्षेत्र में हमारा अग्रणी स्थान है। हमारी इस भविष्योन्मुखी यात्रा में ईक्विटी पर हमारा प्रतिलाभ निरंतर बढ़कर 15% के ऊपर पहुँच गया है तथा परिसंपत्तियों पर हमारा प्रतिलाभ निरंतर 1% बढ़ रहा है।

हमारी समस्त बहुआयामी कार्यनीतियों के पूरे संगठन के स्तर पर बेहतर नतीजे दिखने शुरू हो गए हैं जैसा कि वित्त वर्ष 2019 के उत्तरार्ध के बेहतर प्रदर्शन से पता चलता है। आज हमारे पास व्यवसाय में मजबूत वृद्धि दर, मजबूत पूँजी और चलनिधि आधार है। बैंकिंग क्षेत्र में हमारा अग्रणी स्थान है। हमारी इस भविष्योन्मुखी यात्रा में इक्विटी पर हमारा प्रतिलाभ निरंतर बढ़कर 15% के ऊपर पहुँच गया है तथा परिसंपत्तियों पर हमारा प्रतिलाभ निरंतर 1% बढ़ रहा है।

नई सोच - नए इरादों के साथ

# अपनी मानव शक्ति की क्षमताओं का उपयोग

**हम अपने कर्मचारियों को अपना सहभागी मानते हैं। बैंक के ध्येय के प्रति उनके समर्पण का ही यह परिणाम है कि हम अपने हितधारकों यथा - अपने ग्राहकों, शेयरधारकों व समाज को दक्षतापूर्ण सेवाएं दे पा रहे हैं। हम उन पर लगातार निवेश कर रहे हैं, ताकि उनका भी विकास हो और वे भी उन्नति करें। हम उनके लिए वैविध्यपूर्ण और समावेशी परिवेश सुनिश्चित कर रहे हैं, जिससे उनमें और निखार लाया जा सके।**

"हमारा विश्वास है कि बैंककर्मियों के निरंतर योगदान से ही संस्था का विकास संभव है। हमारा संकल्प है कि हम उन पर निरंतर निवेश करते रहेंगे और भारतीय स्टेट बैंक को सर्वोत्कृष्ट कार्य-स्थल बनाएंगे।"

हमारे मानव संसाधन विभाग की भूमिका बैंक की व्यवसाय कार्यनीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण रही है। वर्ष के दौरान, हमने अपने मानव संसाधन विभाग को और भी ज्यादा केंद्रीकृत किया है जिससे बेहतर नियंत्रण एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा, हमने मानव शक्ति योजना बनाने के लिए डेटा आधारित आवश्यकता आकलन मॉडल अपनाया है जिससे बैंक के मानव संसाधन का इष्टतम उपयोग किया जा सके। अपने कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमने कई पहल की हैं।

हमारी मजबूत करियर विकास प्रणाली के कारण बैंककर्मियों के कामकाज का बेहतर प्रबंध करने में अत्यधिक पारदर्शिता, समावेशिता, जवाबदेही एवं प्रभावकारिता आ गई है। सांस्कृतिक परिवर्तन ले आने के लिए एक व्यवस्थित फीडबैक प्रणाली भी शुरू की गई है। इसके अलावा, हमने भविष्य में महत्वपूर्ण कार्यपालकों के पदों पर अधिकारियों की नियमित नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए उत्तराधिकारी नियोजन नीति बनाई है। हमने अन्य क्षेत्रों के अलावा वेल्थ मैनेजमेंट, सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना सुरक्षा, जोखिम एवं ऋण कारोबार में नए प्रतिभाशाली बैंककर्मियों की भरती भी की है।

हम सदाचार एवं वित्तीय दृष्टि से सुदृढ़ व्यवसाय पद्धतियों पर विकसित निष्पादन उन्मुख संस्कृति को निरंतर बढ़ावा दे रहे हैं। हमने प्रभावशाली प्रशिक्षण प्रणाली विकसित की है जिससे हम अपने विज़न को साकार कर पाएं। इसके लिए हमारा प्रयास रहा है कि हम अपने प्रत्येक कर्मचारी की क्षमताओं और दक्षताओं को बढ़ाएं तथा उनमें जो संभावनाएं हैं उनका अधिकाधिक उपयोग किया जाए। इसके अलावा, प्रत्येक वर्ष हमारी प्रशिक्षण प्रणाली से विभिन्न पीढ़ियों एवं सांस्कृतिक रूप से भिन्न पृष्ठभूमि वाले बैंककर्मियों के बहुमुखी कौशल विकास की जरूरतों की पूर्ति होती है। साथ ही हमने अपने कर्मचारियों की कार्य-कुशलता बढ़ाने और उन्हें तेजी से बदलते कारोबारी परिवेश के लिए तैयार करने हेतु कई नए कार्यों की संकल्पना भी कर ली है। यही कारण है कि हमें 'ज्ञानार्जन एवं विकास में उत्कृष्टता' के लिए बिजनेस वर्ल्ड का पुरस्कार मिला है।

लिंग संवेदनशीलता और समावेशिता हमेशा आपके बैंक की मानव संसाधन नीति की आधारशिला रही है। आज लगभग हमारे कुल बैंककमियों में से महिलाओं का प्रतिशत 24.34% है। हमें प्रतिबद्धता के लिए प्रेरणा शीर्ष नेतृत्व से मिलती है, जो विविधता एवं समावेशन व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं।

"हम सदाचार एवं वित्तीय दृष्टि से सुदृढ़ व्यवसाय पद्धतियों पर विकसित निष्पादन उन्मुख संस्कृति को निरंतर बढ़ावा दे रहे हैं।"

**24.34%** हमारे कुल बैंक कर्मियों में महिलाओं का प्रतिशत

वित्त वर्ष 2019 में लगभग **690** विशेषज्ञों की सेवाएं ली गईं।

प्रशिक्षण संस्कृति **90** वर्षों से अधिक की

## नई सोच - नए इरादों के साथ

# रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग व्यवसाय समूह बैंक के विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध

**भारतीय स्टेट बैंक में हमारा सदैव प्रयास रहता है कि हम अपने ग्राहकों का शुभचिंतक और कार्यसाधक बैंक बनें और वे अपना बैंकिंग कार्य हमारे साथ ही करना चाहें। रिटेल, कृषि और एसएमई बाजार में अपने अग्रणी स्थान के साथ हम बेहतर ग्राहक सेवा एवं अनुभव देने के लिए निरंतर निवेश और नवोन्मेषन कर करे हैं।**

> "योनो के माध्यम से अपने उत्पाद ग्राहकों तक पहुँचाने और ग्राहक को और अधिक सुविधा देने में हमने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। हमारा मानना है कि आधुनिकीकरण और टेक्नोलोजी का समुचित उपयोग करके हम अपने ग्राहकों की बेहतरी में भागीदार बन सकते हैं और अपने बैंक के प्रति उनके विश्वास को मजबूत कर सकते हैं।"

वित्त वर्ष 2019 में भारतीय स्टेट बैंक का प्रदर्शन जोरदार रहा। रिटेल एवं पर्सनल बैंकिंग में ₹6.50 लाख करोड़ से अधिक के कारोबार के साथ, हम बाजार में सबसे आगे बने हुए हैं। रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग समूह में बैंकिंग कारोबार की दृष्टि से आठ महत्वपूर्ण व्यवसाय इकाइयां हैं। शाखा नेटवर्क एवं मानव संसाधन की दृष्टि से भी यह भारत की सबसे बड़ी इकाई है। रिटेल बैंकिंग व्यवसाय समूह हमारा सबसे महत्वपूर्ण समूह है। चाहे बात कासा जमाराशियों में वृद्धि की हो या ग्राहकों की मूलभूत आवश्यकताओं के अनुरूप ऋण देने की हो। देश भर में ग्राहक लगातार तेजी से हमारे बैंक के साथ जुड़ते चले जा रहे हैं और रिटेल जमाराशियों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। साथ ही, इस बढ़ते ग्राहक आधार की आकांक्षाओं को पूरा करने के चलते बैंक के कुल अग्रिमों में खुदरा ऋणों का एक बहुत बड़ा हिस्सा है।

देश में बढ़ते डिजिटलीकरण के चलते ग्राहक भी अधिकाधिक इसी माध्यम से अपने बैंकों के साथ जुड़ना चाह रहे हैं। लगातार हो रहे टेक्नोलोजी आधारित नवोन्मेषनों से ग्राहकों की पसंद भी बदल रही है जिस कारण रिटेल बैंकिंग परिदृश्य भी बदल रहा है।

भारतीय स्टेट बैंक में हमने मल्टी चैनल डिलिवरी मॉडल अपनाया है। इससे ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार किसी भी चैनल से किसी भी समय अथवा किसी भी स्थान पर लेनदेन कर सकते हैं। विशेषकर हमने ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने में बहुत ही अच्छी प्रगति की है। ग्राहकों की सुविधा के लिए आपके बैंक और हमारी अनुषंगियों के उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। इस दिशा में अपने ग्राहकों की और अधिक सुविधा के लिए हमने अपने युगांतरकारी ऐप योनो को बाजार में सुस्थापित करने के मामले में जबरदस्त प्रगति की है और यह भारत का सबसे तेजी से बढ़ता एक ऐसा चैनल हो गया है जिसमें ग्राहक को एक में सब सुविधाएं मिलती हैं। इस चैनल से एक ही ऐप में बैंकिंग, बीमा एवं निवेश उत्पादों के साथ-साथ लाजवाब सेवा एवं शॉपिंग अनुभव मिलता है।

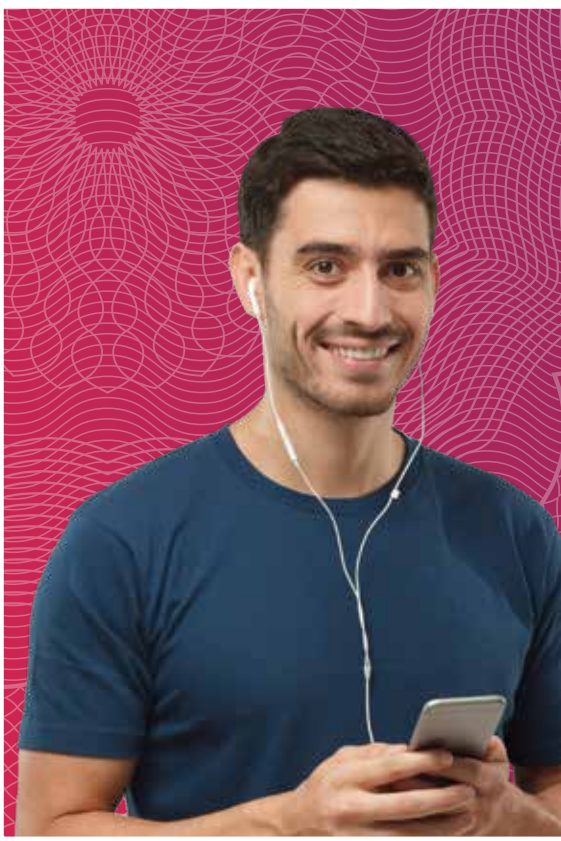

नवम्बर 2017 में शुरू किया गया **योनो** अब डिजिटल बैंक, ऑनलाइन बाजार एवं वित्तीय सुपर स्टोर बन चुका है। इसमें ऑनलाइन शॉपिंग, ट्रैवल प्लानिंग, टैक्सी बुकिंग, ऑनलाइन शिक्षा एवं ऑफलाइन रिटेल के साथ साथ ई-वाणिज्य कंपनियों की सेवाएँ भी उपलब्ध हैं। वित्त वर्ष 2019 में **योनो** ही एकमात्र ऐसा प्लेटफॉर्म रहा जिससे 2 करोड़ से भी अधिक डाउनलोड और 73.49 लाख से भी अधिक रजिस्ट्रेशन के साथ साथ लगभग 27.50 लाख बचत बैंक खाते भी खोले गए।

ऐप स्टोर एवं प्ले स्टोर के पाँच शीर्ष फिनैंस ऐप्लिकेशन में **योनो** भी शामिल है। **योनो** की शुरुआत के बाद से भारतीय स्टेट बैंक ने आईआरसीटीसी, बुक माई शो, एसओटीसी, एक्सपीडिया, किंडल, बुकिंग डॉट कॉम एवं मोज़ार्टो, टाटा मोटर्स, हुंडाई एवं फोर्ड जैसी प्रमुख ऑटो कंपनियों के साथ साथ 25 नए मर्चेन्टों को **योनो** ऑनलाइन मार्केटप्लेस से जोड़ा है। इससे इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध मर्चेन्टों की कुल संख्या 89 हो गई है।

अपने सभी ग्राहकों को विशेष कनेक्टिविटी एवं डिवाइस समाधान उपलब्ध कराने के लिए आपके बैंक ने रिलायंस जियो के साथ गठजोड़ किया है। इसके अलावा, देश में वित्तीय एवं लाइफ स्टाइल सेवाओं का डिजिटलीकरण बढ़ाने की दिशा में भी **योनो** एसबीआई एक युगांतरकारी कदम है।

आपका बैंक देश का सबसे विश्वसनीय बैंक होने के नाते वित्तीय सेवाओं से विगत में वंचित रहे लोगों की सेवा करने में भी अग्रणी है। इसके अलावा, 57,467 बैंकिंग सेवा केंद्रों के साथ हमारा बिजनेस करेस्पांडेंट चैनल अब लाभ-अलाभ की स्थिति को पार कर चुका है और आपके बैंक की उम्मीदों से अधिक बिजनेस दे रहा है। भारतीय स्टेट बैंक अपने व्यापक ग्राहक आधार और मजबूती के साथ उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप अत्यंत किफायती दरों पर चुनिंदा कर्जदारी सेवाएं देने पर विशेष रूप से ध्यान दे रहा है।

आपके बैंक का डिजिटल चैनलों में बाजार में सबसे बड़ा हिस्सा है। मामले में आपके बैंक का बाज़ार अंश सबसे अधिक है। हमारे वैकल्पिक व्यवसाय चैनलों के माध्यम से लेन-देन 88.1% है, जिसमें से लगभग 31.7% एटीएम और सीडीएम के माध्यम से होता है। हमारे रिटेल कारोबार में होम और ऑटो लोन्स का एक बड़ा भाग रहता है। हम अपने उन ग्राहकों की मदद करना चाहते हैं,

नई सोच - नए इरादों के साथ

# रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग व्यवसाय समूह बैंक के विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध (जारी...)

**भारतीय स्टेट बैंक डिजिटलीकृत संगठन के रूप में अपनी नई सोच और नए इरादों के साथ प्रयोक्ता से सीधे न जुड़े कामकाज में भी टेक्नोलोजी के सहारे आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।**

"हमारे ऑनलाइन ऐप **योनो** पर होम लोन्स - डिजिटलीकरण की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है। इसकी सेवा हमारे पंजीकृत प्रयोक्ताओं की आवश्यकताओं को चौबीसों घंटे और सातों दिन पूरा करने के लिए उपलब्ध हैं।"

जो भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से घर खरीदना चाहते हैं, ताकि उन्हें यह सुविधा आसानी से और जल्दी मिल जाए। इसलिए, हमारे ऑनलाइन ऐप **योनो** पर होम लोन-डिजिटलीकरण की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है, जो हमारे पंजीकृत प्रयोक्ताओं की जरूरतों को 24 x 7 पूरा करता है। हमारा होम लोन पोर्टफोलियो (टॉप अप ऋण सहित) ₹4 लाख करोड़ पार कर चुका है और यह किसी बैंक एनबीएफसी के पोर्टफोलियो से बड़ा है।

जैसा कि हम वित्त वर्ष 2020 में काम कर रहे हैं, आपका बैंक शिक्षा ऋणों का सबसे बड़ा ऋणप्रदाता बना हुआ है, जो बड़े पैमाने पर समाज की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम एग्री फिनैंसिंग कारोबार में तो अग्रणी हैं ही, इस बाजार में भी सबसे आगे हैं। हमारी सेवाएं कम ब्याज दरों, कोई बिचौलिया नहीं, कोई छिपी लागत नहीं, त्वरित ऋण मंजूरी और ऋण संवितरण जैसी कुछ अनूठी विशेषताओं के साथ कृषि और इससे जुड़ी समस्त गतिविधियों के लिए उपलब्ध हैं। हमारे यह ऋण सुविधा खेत से उपभोक्ता तक समस्त कृषि गतिविधियों के लिए दी जा रही है। इसके अलावा, हमारे एसएमई और एमएसएमई व्यवसाय में, हम अपनी संपत्ति और ईक्विटी से बेहतर रिटर्न उत्पन्न करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। भारतीय स्टेट बैंक की हमेशा से एसएमई में महत्वपूर्ण भूमिका रही है विशेषकर भारतीय अर्थव्यवस्था में उत्पादन, निर्यात और रोजगार सृजन में एसएमई के योगदान को देखते हुए नवोन्मेषी फिनैंशियल सॉल्यूशन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध होने के कारण, एसएमई ग्रोथ बढ़ाने में आपका बैंक तीन स्तंभों, ग्राहक सुविधा, जोखिम कम करने और प्रौद्योगिकी आधारित बेहतर डिजिटल उत्पाद और प्रक्रियाएं देने में संलग्न है।

समीक्षाधीन वर्ष में, हमने बेहतर ग्राहक संबंध बनाए रखने के लिए समर्पित संपूर्ण एसेट मैनेजमेंट टीमों के माध्यम से बाजार में अपनी गहरी पहुंच सुनिश्चित की है। इसके अतिरिक्त, जीएसटी से व्यापार में पारदर्शिता आई है और इसके माध्यम से जोखिम आकलन और इसे कम करने में व्यापक मदद मिल रही है। इसके अलावा, हमारे क्रेडिट अंडरराइटिंग इंजन कैश फ्लो फिनैंसिंग, बेहतर अंडरराइटिंग के लिए एनालिटिक्स और टीएटी पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। हमारा एसएमई पोर्टफोलियो ₹2,88,583 करोड़ का है जिसमें एमएसएमई का हिस्सा ₹2,33,294 करोड़ का है।

नई सोच - नए इरादों के साथ

# उपलब्ध अवसरों से बेहतर मूल्य देने के लिए मजबूत बुनियाद वाली अनेक सहायक कंपनियां

**भारत भर में सभी प्रकार की वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने के अपने मिशन में, भारतीय स्टेट बैंक समूह, अपनी विभिन्न सहायक कंपनियों के माध्यम से अन्य सेवाओं के साथ जीवन बीमा और साधारण बीमा, मर्चेंट बैंकिंग, ट्रस्टी बिजनेस, म्यूचुअल फंड्स और क्रेडिट कार्ड के साथ साथ विभिन्न वित्तीय सेवाएं दे रहा है।**

"अनेक सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों वाले पूरे समूह में, हम अपने आकार और विविधता के कारण उपलब्ध अवसरों का लाभ लेकर अपनी संस्थाओं का सफल संचालन करते हुए बेहतर मूल्य देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपके बैंक में सभी स्तरों पर हमारे उपक्रम हमारे हितधारकों के लिए निरंतर और दूरगामी सफलताओं के द्वार खोल रहे हैं।"

हमारी सहायक कंपनियां बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने में हर तरह से तैयार हैं। प्रत्येक ने अपनी तैयारी इस विश्वास पर की है कि ग्राहक अनुभव सर्वोपरि है। हम हरेक संस्था के सहयोगियों का उपयोग करने पर भी अपना ध्यान केंद्रित किए हुए हैं ताकि अपने कारोबार में उनकी भी पूरी पूरी सहायता ली जा सके। इसके लिए, हम आधुनिकतम टेक्नोलोजी और अन्य प्लेटफॉर्मों का उपयोग कर रहे हैं जिससे हमारे विभिन्न उत्पादों का व्यापक प्रसार हो सके। हमारे सीआरएम प्लेटफॉर्म, IMPACT में कारोबार के अवसरों का पता लगाने के लिए स्मार्ट डेटा माइनिंग और एनालिटिक्स का प्रयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, हमारे कई सर्वश्रेष्ठ संयुक्त उद्यम भागीदार भी हैं, जिनके साथ हमारा विभिन्न व्यवसायों, कारगर कार्य प्रणालियों, दीर्घकालिक व्यापकता और उच्च गुणवत्ता वाली कॉरपोरेट गवर्नेंस के लिए गठजोड़ हैं। अपने ग्राहकों के साथ तालमेल के अच्छे परिणाम मिलने से हम उम्मीद करते हैं कि निकट भविष्य में हमारी क्रॉस-सेलिंग आय बढ़कर 50% तक हो जाएगी।

हमारी सबसे सफल सहायक कंपनी में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2018 में पूंजी बाजारों में प्रवेश किया जो भारतीय स्टेट बैंक और बीएनपी पारिबास कॉर्डिफ एसए के बीच एक संयुक्त उद्यम है। इस इकाई का सफल आईपीओ आपके बैंक द्वारा ऐसे व्यवसायों को आरंभ करने और उनका पोषण करने की अच्छी क्षमता का प्रमाण है जो अपने अपने व्यवसाय क्षेत्र में प्रमुख हैं। वर्तमान में, कंपनी का बाजार पूंजीकरण ₹58,300 करोड़ से अधिक है और इसे गैर सरकारी क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनियों में नए व्यवसाय प्रीमियम (NBP) के मामले में नंबर 2 स्थान दिया गया है। वित्त वर्ष 2019 तक, कंपनी के एयूएम में 21% की वृद्धि दर्ज की गई और यह कारोबार बढ़कर ₹1,41,024 करोड़ पर पहुंच गया। अपने 908 कार्यालयों के नेटवर्क के माध्यम से संपूर्ण भारत में पहुंच बनाकर, एसबीआई लाइफ ने भारत के कम बीमा सुविधा वाले ग्रामीण इलाकों में बीमा सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं।

एक अन्य चमकता सितारा एसबीआई कार्ड भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है, जिसके 82 लाख कार्डधारक हैं। वित्त वर्ष 2019 तक, कंपनी के कार्ड बेस में वर्ष-दर-वर्ष 32% की वृद्धि हुई है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी ने "अपोलो एसबीआई" नामक एक सह-ब्रांडेड कार्ड लॉन्च किया। इस कार्ड में धारक को स्वास्थ्य और आरोग्य सेवाओं का लाभ मिलता है। डॉक्टरों के लिए, विशेष रूप से इसने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के साथ मिलकर "एसबीआई डॉक्टर्स कार्ड" लॉन्च किया। हमें इस बात की खुशी है कि निकट भविष्य में बाजार सूचीकरण के लिए एसबीआई कार्ड हमारी अगली कंपनी होगी।

एसबीआई म्यूचुअल फंड का भी भारत में नंबर 3 रैंकिंग के साथ एयूएम में 11.59% बाजार हिस्सेदारी का समूह के भीतर बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। वित्त वर्ष 2019 में, इसमें उद्योग की 3.66% वृद्धि दर की तुलना में 7.36% वृद्धि हुई।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस भारतीय स्टेट बैंक और आईएजी ऑस्ट्रेलिया के बीच एक कार्यनीतिक संयुक्त उद्यम है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक की 70% हिस्सेदारी है। इस कंपनी की विकास आकांक्षा बैंकाइंश्योरेंस चैनल पर केंद्रित है। इसके साथ साथ यह अन्य चैनलों और उत्पादों को भी विकसित करना चाहती है जिससे यह लाभप्रदता और वृद्धि दर बढ़ाने के अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर पाए। वित्त वर्ष 2019 में, कंपनी की बाजार रैंकिंग उद्योग में नंबर 13 और निजी कंपनियों के बीच नंबर 8 पर रही।

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की अपनी प्रतिस्पर्धी कंपनियों में भारत के प्रमुख घरेलू निवेश बैंकों में गिनती होती है। यह सहायक कंपनी सभी प्रकार की निवेश बैंकिंग और कॉरपोरेट परामर्शी सेवाएं दे रही है। इसके ग्राहक समूह में इन्फ्रास्ट्रक्चर, ईक्विटी कैपिटल मार्केट्स और डैट कैपिटल मार्केट्स के विभिन्न क्लाइंट शामिल हैं।

## नई सोच - नए इरादों के साथ

# दबाव वाले ऋणों के समाधान में एनपीए चक्र समाप्ति की ओर

**आपके बैंक ने अपनी अंडरराइटिंग और क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट प्रणाली का परिष्कार किया है। इससे यह बदलते आर्थिक परिवेश की अपेक्षाओं को पूरा कर पाएगा। देश में सबसे बड़ा बैंक होने के नाते हमारा मानना है कि हमें सुरक्षित जोखिम व्यवस्था के दायरे में रहकर जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना है।**

"वर्ष 2019 में हमारी मुख्य प्राथमिकता, अपनी ऋण नीतियों का दृढ़ता के साथ अनुपालन करना है। इससे हम अपने सभी कारोबारी जोखिमों का व्यवस्थित ढंग से आकलन, मूल्यांकन, निगरानी और नियंत्रण कर पाएंगे।"

पिछले कुछ वर्षों में, हमने बैंकिंग उद्योग के भीतर सकल एनपीए (GNPA) में बड़े पैमाने पर वृद्धि देखी है। हालांकि, समीक्षाधीन वित्त वर्ष की पहली छमाही में, भारतीय अर्थव्यवस्था में जोरदार आर्थिक वृद्धि के कारण अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों SCBs के सकल एनपीए GNPA में गिरावट आई; विमुद्रीकरण के अल्पकालिक प्रभावों के बाद नई करेंसी सुस्थापित हो गई; जीएसटी का ठीक से कार्यान्वयन हुआ; सम्यक तत्परता बरतने की अचूक व्यवस्था लागू की गई, ऋण मूल्यांकन और ऋण निगरानी प्रणाली आदि भी सुस्थापित हो पाई।

वित्त वर्ष 2019 में स्लिपेज रेशो 1.60% के साथ बेहतर हुई (वर्षानुवर्ष 325 आधार अंक की कमी आई) और क्रेडिट कॉस्ट 2.66% के साथ बेहतर हुई (वर्षानुवर्ष 96 आधार अंक की कमी आई)। आपके बैंक की प्रोविजन कवरेज रेशो (पीसीआर) मार्च 2018 के स्तर 66.17% से वर्षानुवर्ष 1256 आधार अंकों की भारी भरकम वृद्धि के साथ मार्च 2019 में 78.73% पर पहुंच गई।

आपके बैंक में, भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशानुसार एनसीएलटी में दायर पहली और दूसरी सूची के खातों में से बड़े खातों का अब समाधान हो चुका है। इनमें कुछ अभी भी शेष हैं और इनका भी समाधान होने की उम्मीद है। इससे हमें आय अर्जित करने वाली परिसंपत्तियों में वसूल धन का निवेश करने और अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने में मदद मिली है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने एक स्ट्रेस्ड असेट्स मैनेजमेंट वर्टिकल (एसएएमवी) के गठन का निर्देश दिया है। हमें गर्व है कि लगभग डेढ़ दशक पहले हमने इसके लिए एक समर्पित वर्टिकल स्ट्रेस्ड असेट्स मैनेजडमेंट ग्रुप (एसएएमजी) की स्थापना की। स्ट्रेस्ड खातों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, एसएएमजी को स्ट्रेस्ड असेट्स रेजोल्यूशन ग्रुप (एसएआरजी) के रूप में नामित किया गया है, जो कि उच्च मूल्य वाले एनपीए के कारगर रेज़ोल्यूशन के लिए एक विशेष वर्टिकल के रूप में निरंतर कार्य कर रहा है। एसएआरजी द्वारा एनपीए रेज़ोल्यूशन और वसूली का बहुत महत्व है, क्योंकि इसका असर सीधे आपके बैंक के प्रदर्शन पर पड़ता है। अब, एसएआरजी एनपीए और स्ट्रेस्ड असेट्स के समाधान का एक उत्कृष्ट केंद्र बन चुका है। 31 मार्च, 2019 को एसएआरजी की देश भर में 20 स्ट्रेस्ड असेट्स मैनेजमेंट ब्रांचिज (एसएएमबी) और 56 स्ट्रेस्ड असेट्स रिकवरी ब्रांचिज (एसएआरबी) थीं, जो आपके बैंक की अनर्जक आस्तियों (एनपीए) और वसूली अधीन अग्रिम खाता (एयूसीए) के 70.62% और 83.71% समाधान का काम देखती हैं। आज, एसएआरजी आपके बैंक में सबसे महत्वपूर्ण वर्टिकल में से एक है।

आज, एसएआरजी आपके बैंक के भीतर एक महत्वपूर्ण वर्टिकल है। आईबीसी के लागू होने, और बड़ी संख्या में मामले इसे संदर्भित किए जाने एवं उनका समाधान काफी आगे बढ़ चुके होने को देखते हुए तथा एनपीए में पार्क किए गए पैसे के पुनर्निवेश व बैंक की लाभप्रदता में प्रोविजन प्रतिलेखन के बड़े हिस्से से तुलन-पत्र मजबूत होने के साथ-साथ पूंजी अनुपात भी काफी बढ़ने की संभावना है।

आपके बैंक में, हम मानते हैं कि हमारी कारगर क्रेडिट अंडरराइटिंग प्रणाली हमें गुणवत्तापूर्ण खातों में वृद्धि करने और शेयरधारकों को सम्मानजनक रिटर्न प्राप्त करने में मदद करेगी। हमने बैंकिंग प्रणाली को कारगर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में लगातार काम किया है जिससे यह अग्रसर और आकांक्षाशील भारत को बेहतर ढंग से सेवा दे सके।

**76** एसएआरजी के अधीन शाखाएं

**70.62%** एनपीए का समाधान

एसएआरजी समूह का कुल कारोबार

**2,36,687** करोड़

## नई सोच - नए इरादों के साथ

# कॉरपोरेट बैंकिंग बिजनेस नई सोच के साथ, जिसमें कम ऋण जोखिम वाले कारोबार पर फोकस

**आपका बैंक कॉरपोरेट इंडिया का एक मूल्यवान भागीदार है। हम अपने ग्राहकों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए एक अलग रिलेशनशिप टीम नेटवर्क के माध्यम से उन्हें व्यापक बैंकिंग समाधान देते हैं। इसके साथ साथ हम उन्हें उनके ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप हमारे उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए विशेषज्ञता भी प्रदान करते हैं।**

"आपके बैंक के कॉरपोरेट बैंकिंग व्यवसाय का यह वर्ष एक और सफल वर्ष रहा है, जिसमें अच्छी रेटिंग वाले कॉरपोरेट्स और गुणवत्तापूर्ण कारोबार पर फोकस करके इसमें अपनी अंशधारिता बढ़ाई गई है और बेहतर प्रतिमान भी लागू किए गए हैं।"

हमारे थोक बैंकिंग व्यवसाय का फोकस कॉरपोरेट ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप वित्तीय समाधान और सेवाएं देना है। इस समूह में कई टीमें काम करती हैं जो ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं पर फोकस करती हैं। इससे उन्हें हमारी विशेषज्ञता का लाभ मिल पाता है। हमारे अन्य ग्राहकों को उपलब्ध उत्पादों की उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप पेशकश भी की जाती हैं।

बदलते बैंकिंग परिदृश्य के अनुरूप, हमने अपनी कॉरपोरेट बैंकिंग संरचना और ऋण वितरण प्रक्रिया में नए प्रतिमान लागू किए हैं। इससे कॉरपोरेट अकाउंट्स ग्रुप (सीएजी) द्वारा टॉप रेटिंग वाले खातों अकाउंट्स) की देखरेख की जाती है, जबकि अन्य कॉरपोरेट अकाउंट्स की कॉरपोरेट क्लाइंट्स ग्रुप (सीसीजी) वर्टिकल द्वारा देखरेख की जाती है। क्रेडिट संबंधों के अलावा, हम अपने नए स्थापित क्रेडिट लाइट ग्रुप (सीएलजी) के माध्यम से अन्य क्रेडिट लाइट सेक्टर, जैसे कि फार्मास्युटिकल, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के गैर ब्याज आय के साथ साथ कम लागत वाली

जमाराशियों के कार्य को देख रहे हैं। सीएजी का लक्ष्य फंड-आधारित, गैर-फंड-आधारित और शुल्क-आधारित गैर-क्रेडिट उत्पादों में पैठ बढ़ाकर अपने कॉरपोरेट संबंधों को बढ़ाना है। समीक्षाधीन वर्ष के लिए, सीएजी में ग्राहकों को गैर-फंड आधारित उत्पादों वाले कुल बकाया ऋण ₹4,06,645 करोड़ और ₹1,75,185 करोड़ थे। इसके अलावा, सीएजी सरकार की विकास योजनाओं में सहायक और सह-भागीदार रहा है जैसे कि सड़क और बंदरगाहों जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सहयोग करता है, पूरे भारत में कनेक्टिविटी में सुधार करना और व्यापार सुविधा में भी योगदान करता है; मार्च 2019 तक सभी घरों को बिजली प्रदान करने की सरकार की सौभाग्य योजना के अनुरूप बिजली; संवहनीयता के लिए पवन ऊर्जा, छत पर सौर ऊर्जा और पनबिजली परियोजनाओं सहित अक्षय ऊर्जा और विभिन्न ईपीसी परियोजनाएं (सरकारी परियोजनाओं में सहयोग करने के लिए), जिसका उद्देश्य संवहनीय विकास के माध्यम से देश को अग्रसर भारत में बदलना है। बैंक अन्य चुनिंदा इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं जैसे एअरपोर्ट और मेट्रो रेल के लिए पैसा उपलब्ध कराने में भी सक्रिय है।

हमारी कार्यनीति निवेश ग्रेड कंपनियों और जारीकर्ताओं पर ध्यान केंद्रित करना है। इसके अतिरिक्त, विशिष्ट ग्राहक की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारी टेलरमेड खाता प्रबंधन योजनाओं के साथ हम इस वर्टिकल में उच्च विकास दर और बढ़ती हुई बाजार हिस्सेदारी की भी उम्मीद करते हैं।

बैंकिंग परिदृश्य बदल रहा है और टेक्नोलोजी ग्राहकों को अपने वित्तप्रदाताओं के साथ जुड़ने के तरीके में युगांतरकारी परिवर्तन ला रही है। हम अपने कॉरपोरेट ग्राहकों को तकनीकी उत्पादों की पेशकश करते हैं और ग्राहक प्रबंधन के लिए एक परिपूर्ण ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) ऐप्लिकेशन का उपयोग करते हैं जो तेजी से बदलते ग्राहक-बैंक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में काफी उपयोगी है।

# एसबीआई समूह संरचना
31 मार्च, 2019 को

## गैर- बैंकिंग अनुषंगियाँ / संयुक्त उद्यम

- 100% एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि.
  - एसबीआई कैप सिक्युरिटीज लि.
  - एसबीआई कैप वेंचर्स लि.
  - एसबीआई कैप (यू के) लि.
  - एसबीआई कैप ट्रस्टीज कंपनी लि.
  - एसबीआई कैप (सिंगापुर) लि.
- 69.04% एसबीआई डीएफएचआई लि.
- 100% एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.
- 86.18% एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लि.
- 60% एसबीआई पेंशन फंड्स प्रा. लि.
- 63% एसबीआई फंड्स मैनेजमैंट प्रा. लि.
  - एसबीआई फंडस मैनेजमैंट (इंटरनेशनल) प्रा. लि .
- 74% एसबीआई कार्ड्स एण्ड पेमेंट्स सर्विसेज प्रा. लि.
- 62.04% एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि.
- 65% एसबीआई- एसजी ग्लोबल सिक्युरिटीज सर्विसेस प्रा. लि.
- 74% एसबीआई बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट सर्विसेस प्रा. लि.
- 70% एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि .
- 49% सी-एज टेक्नोलोजीज लि.
- 45% मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.
  - मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्रा. लि.
- 45% एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.
- 45% एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्रा. लि.
- 50% ओमान इंडिया ज्याइंट इन्वेस्ट्मेंट फंड मैनेजमैंट कंपनी प्रा. लि
- 50% ओमान इंडिया ज्याइंट इन्वेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.
- 99.72% एसबीआई फाउंडेशन
- 100% एसबीआई इंफ्रा मैनेजमैंट सॉलूशन्स प्रा. लि.
- 30% जियो पेमेंट्स बैंक लि.
- 74% एसबीआई पेमेंट सर्विसेस प्रा. लि.

## विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ/संयुक्त उद्यम / निवेश

- 100% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (केलिफोर्निया)
- 100% एसबीआई कनाडा बैंक
- 100% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लि.
- 60% सीआईबीएल - मास्को
- 99% बैंक एसबीआई इंडोनेशिया
- 55.37% नेपाल एसबीआई बैंक लि.
  - नेपाल एसबीआई मर्चेंट बैंकिंग लि.
- 100% बैंक एसबीआई बोत्सवाना लि.
- 20% बैंक ऑफ भूटान लि.
- 96.60% एसबीआई माँरिशस लि.
- 8.86% स्टर्लिंग बैंक पीएलसी
- 19.50% कुकुज परियोजना विकास कंपनी

## विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगी

- 99.99% एसबीआई सर्विकोस लिमिटाडा, ब्राज़ील

# पिछले 10 वर्षों का वित्तीय प्रदर्शन

| | 2009-10 | 2010-11 | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | 2018-2019 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **देयताएं** | | | | | | | | | | |
| पूंजी (करोड़ ₹) | 635 | 635 | 671 | 684 | 747 | 747 | 776 | 797 | 892 | 892 |
| आरक्षित निधियां एवं अधिशेष (करोड़ ₹) | 65,314 | 64,351 | 83,280 | 98,200 | 1,17,536 | 1,27,692 | 1,43,498 | 187,489 | 2,18,236 | 2,20,021 |
| जमाराशियां (करोड़ ₹) | 8,04,116 | 9,33,933 | 10,43,647 | 12,02,740 | 13,94,409 | 15,76,793 | 17,30,722 | 20,44,751 | 27,06,344 | 29,11,386 |
| उधारियां (करोड़ ₹) | 1,03,012 | 1,19,569 | 1,27,006 | 1,69,183 | 1,83,131 | 2,05,150 | 3,23,345 | 3,17,694 | 3,62,142 | 4,03,017 |
| अन्य (करोड़ ₹) | 80,337 | 1,05,248 | 80,915 | 95,404 | 96,927 | 1,37,698 | 1,59,276 | 1,55,235 | 1,67,138 | 1,45,597 |
| **कुल (करोड़ ₹)** | 10,53,414 | 12,23,736 | 13,35,519 | 15,66,211 | 17,92,748 | 20,48,080 | 23,57,617 | 27,05,966 | 34,54,752 | 36,80,914 |
| **आस्तियां** | | | | | | | | | | |
| निवेश (करोड़ ₹) | 2,85,790 | 2,95,601 | 3,12,198 | 3,50,878 | 3,98,800 | 4,81,759 | 5,75,652 | 7,65,990 | 10,60,987 | 9,67,022 |
| अग्रिम (करोड़ ₹) | 6,31,914 | 7,56,719 | 8,67,579 | 10,45,617 | 12,09,829 | 13,00,026 | 14,63,700 | 15,71,078 | 19,34,880 | 21,85,877 |
| अन्य आस्तियां (करोड़ ₹) | 1,35,710 | 1,71,416 | 1,55,742 | 1,69,716 | 1,84,119 | 2,66,295 | 3,18,265 | 3,68,898 | 4,58,885 | 5,28,015 |
| **कुल (करोड़ ₹)** | 10,53,414 | 12,23,736 | 13,35,519 | 15,66,211 | 17,92,748 | 20,48,080 | 23,57,617 | 27,05,966 | 34,54,752 | 36,80,914 |
| निवल ब्याज आय (करोड़ ₹) | 23,671 | 32,526 | 43,291 | 44,329 | 49,282 | 55,015 | 57,195 | 61,860 | 74,854 | 88,349 |
| एनपीए के लिए प्रावधान (करोड़ ₹) | 5,148 | 8,792 | 11,546 | 11,368 | 14,224 | 17,908 | 26,984 | 32,247 | 70,680 | 54,529 |
| परिचालन परिणाम (करोड़ ₹) | 18,321 | 25,336 | 31,574 | 31,082 | 32,109 | 39,537 | 43,258 | 50,848 | 59,511 | 55,436 |
| कर-पूर्व निवल लाभ (करोड़ ₹) | 13,926 | 14,954 | 18,483 | 19,951 | 16,174 | 19,314 | 13,774 | 14,855 | -15,528 | 1,607 |
| निवल लाभ (करोड़ ₹) | 9,166 | 8,265 | 11,707 | 14,105 | 10,891 | 13,102 | 9,951 | 10,484 | -6,547 | 862 |
| औसत आस्तियों से आय (%) | 0.88 | 0.71 | 0.88 | 0.97 | 0.65 | 0.68 | 0.46 | 0.41 | -0.19 | 0.02 |
| ईक्विटी से आय (%) | 14.04 | 12.84 | 14.36 | 15.94 | 10.49 | 11.17 | 7.74 | 7.25 | -3.78 | 0.48 |
| आय की तुलना में व्यय (%) (निवल आय की तुलना में परिचालन व्यय) | 52.59 | 47.6 | 45.23 | 48.51 | 52.67 | 49.04 | 49.13 | 47.75 | 50.18 | 55.70 |
| प्रति कर्मचारी लाभ (000 ₹) | 446 | 385 | 531 | 645 | 485 | 602 | 470 | 511 | -243 | 33 |
| प्रति शेयर आय (₹) | 144.37 | 130.16 | 184.31 | 210.06 | 156.76 | 17.55 | 12.98 | 13.43 | -7.67 | 0.97 |
| प्रति शेयर लाभांश (₹) | 30 | 30 | 35 | 41.5 | 30 | 3.5 | 2.60 | 2.60 | निरंक | Nil |
| एसबीआई शेयर (एनएसई में मूल्य) (₹) | 2,078.20 | 2,765.30 | 2,096.35 | 2,072.75 | 1,917.70 | 267.05 | 194.25 | 293.40 | 249.90 | 320.75 |
| लाभांश भुगतान अनुपात %(₹) | 20.78 | 23.05 | 20.06 | 20.12 | 20.56 | 20.21 | 20.28 | 20.11 | लागू नहीं | NA |
| **पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)** | | | | | | | | | | |
| बासेल-II (₹करोड़ में) | 90,975 | 98,530 | 1,16,325 | 1,29,362 | 1,45,845 | 1,54,491 | 1,81,800 | 2,06,685 | 2,34,056 | 2,41,073 |
| बासेल-II (%) | 13.39 | 11.98 | 13.86 | 12.92 | 12.96 | 12.79 | 13.94 | 13.56 | 12.74 | 12.85 |
| टियर I (₹करोड़ में) | 64,177 | 63,901 | 82,125 | 94,947 | 1,12,333 | 1,22,025 | 1,35,757 | 1,56,506 | 1,84,146 | 1,94,655 |
| टियर I (%) | 9.45 | 7.77 | 9.79 | 9.49 | 9.98 | 10.1 | 10.41 | 10.27 | 10.02 | 10.38 |
| टियर II (₹करोड़ में) | 26,798 | 34,629 | 34,200 | 34,415 | 33,512 | 32,466 | 46,043 | 50,179 | 49,910 | 46,418 |
| टियर II (%) | 3.94 | 4.21 | 4.07 | 3.43 | 2.98 | 2.69 | 3.53 | 3.29 | 2.72 | 2.47 |
| बासेल-III (₹करोड़ में) | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | 1,40,151 | 1,46,519 | 1,75,903 | 2,04,731 | 2,38,154 | 2,45,225 |
| बासेल-III (%) | | | | | 12.44 | 12 | 13.12 | 13.11 | 12.60 | 12.72 |
| टियर I (₹करोड़ में) | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | 1,09,547 | 1,17,157 | 1,33,035 | 1,61,644 | 1,95,820 | 2,05,238 |
| टियर I (%) | | | | | 9.72 | 9.6 | 9.92 | 10.35 | 10.36 | 10.65 |
| टियर II (₹करोड़ में) | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | 30,604 | 29,362 | 42,868 | 43,087 | 42,334 | 39,987 |
| टियर II (%) | | | | | 2.72 | 2.4 | 3.20 | 2.76 | 2.24 | 2.07 |
| निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए (%) | 1.72 | 1.63 | 1.82 | 2.1 | 2.57 | 2.12 | 3.81 | 3.71 | 5.73 | 3.01 |
| देश में शाखाओं की संख्या | 12,496 | 13,542 | 14,097 | 14,816 | 15,869 | 16,333 | 16,784 | 17,170 | 22,414 | 22,010 |
| विदेश-स्थित शाखाओं/कार्यालयों की संख्या | 142 | 156 | 173 | 186 | 190 | 191 | 198 | 195 | 206 | 208 |

* 22 नवंबर 2014 से बैंक के शेयर के अंकित मूल्य को ₹1 प्रति शेयर किया गया। वर्ष 2014-15 से आँकड़े ₹1 और शेष पिछले वर्ष के लिए ₹10 प्रति शेयर के अनुसार हैं।

# रेटिंग्स

31 मार्च 2019 को

| | रेटिंग | रेटिंग एजेंसी |
|---|---|---|
| **बैंक रेटिंग** | बीएए 2/पी-2/स्टेबल<br>बीबीबी-/ स्टेबल/ए-3<br>बीबीबी-/एफ़ 3/ स्टेबल | मूडीस<br>एस एण्ड पी<br>फिच |
| | **₹ मूल्यवर्ग में लिखत** | |
| **नवोन्मेषी बेमियादी ऋण लिखत** | 'एएए/ स्टेबल'<br>"केयर एएए / स्टेबल" | क्रिसिल<br>केयर |
| **उच्चतर टियर II गौण ऋण** | 'एएए/ स्टेबल'<br>"केयर एएए / स्टेबल" | क्रिसिल<br>केयर |
| **निम्नतर टियर II गौण ऋण** | 'एएए/ स्टेबल'<br>"केयर एएए/ स्टेबल"<br>'(आईसीआरए) एएए (स्टेबल)' | क्रिसिल<br>केयर<br>आईसीआरए |
| **बेसल III टियर II ऋण** | 'एएए/ स्टेबल'<br>"केयर एएए/ स्टेबल"<br>'(आईसीआरए) एएए (एचवाईबी) (स्टेबल)' | क्रिसिल<br>केयर<br>आईसीआरए |
| **बेसल III एटी 1 बेमियादी ऋण** | 'एए +/स्टेबल'<br>"केयर एए+ / स्टेबल"<br>'(आईसीआरए) एएए (एचवाईबी) (स्टेबल)' | क्रिसिल<br>केयर<br>आईसीआरए |

केयर : क्रेडिट एनालिसिस एण्ड रिसर्च लिमिटेड
आईसीआरए : आईसीआरए लिमिटेड
क्रिसिल : क्रिसिल लिमिटेड
एस एंड पी : स्टेंडर्ड एण्ड पुअर

# केंद्रीय निदेशक बोर्ड

31 मार्च 2019 को

**श्री रजनीश कुमार**
अध्यक्ष

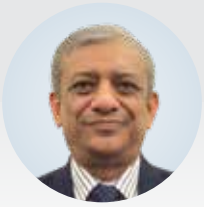

**श्री पी. के. गुप्ता**
प्रबंध निदेशक

**श्री दिनेश कुमार खारा**
प्रबंध निदेशक

**श्री अरिजित बसु**
प्रबंध निदेशक

**श्रीमती अंशुला कान्त**
प्रबंध निदेशक

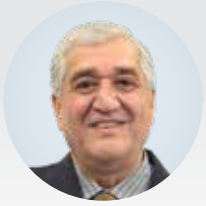

**श्री संजीव मल्होत्रा**
शेयरधारक निदेशक

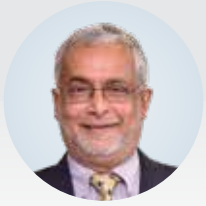

**श्री भास्कर प्रामाणिक**
शेयरधारक निदेशक

**श्री बसंत सेठ**
शेयरधारक निदेशक

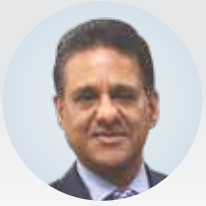

**श्री बी वेणुगोपाल**
शेयरधारक निदेशक

**डॉ. गिरीश के. आहूजा**
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

**डॉ. पुष्पेंद्र रॉय**
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

**डॉ. पूर्णिमा गुप्ता**
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

**श्री राजीव कुमार**
सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

**श्री चंदन सिन्हा**
अपर निदेशक, सीएएफआरएएल
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

**अध्यक्ष**
श्री रजनीश कुमार

**प्रबंध निदेशक**
श्री पी. के. गुप्ता
श्री दिनेश कुमार खारा
श्री अरिजित बसु
श्रीमती अंशुला कान्त

**भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ग) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक**
श्री संजीव मल्होत्रा
श्री भास्कर प्रामाणिक
श्री बसंत सेठ
श्री बी वेणुगोपाल

**भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(घ) के अंतर्गत निदेशक**
डॉ. गिरीश के. आहूजा
डॉ. पुष्पेंद्र राय
डॉ. पूर्णिमा गुप्ता

**भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ङ) के अंतर्गत निदेशक**
श्री राजीव कुमार

**भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत निदेशक**
श्री चंदन सिन्हा

# बोर्ड की समितियां
## (31 मार्च 2019 को)

### केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति (ईसीसीबी)
अध्यक्ष, **श्री रजनीश कुमार**

प्रबंध निदेशक
**श्री पी. के. गुप्ता , श्री दिनेश कुमार खारा,**
**श्री अरिजित बसु एवं श्रीमती अंशुला कान्त**

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (च) के अंतर्गत नामित निदेशक (भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिती), अर्थात **श्री चन्दन सिन्हा और सभी या अन्य कोई निदेशक जो सामान्यत**: भारत में हो रही बैठक-स्थल के निवासी या बैठक के समय उस स्थान पर उपस्थित रहे।

### बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति (एसीबी)
**डॉ गिरीश के. आहूजा,** स्वतंत्र निदेशक-समिति के अध्यक्ष
**श्री भास्कर प्रामाणिक,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री बसंत सेठ,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री बी वेणुगोपाल,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री राजीव कुमार,** भारत सरकार के नामित निदेशक-सदस्य
**श्री चन्दन सिन्हा,** भारतीय रिज़र्व बैंक के नामित निदेशक-सदस्य
**श्री पी. के. गुप्ता ,** प्रबंध निदेशक-आर एंड डीबी-सदस्य (पदेन)
**श्रीमती अंशुला कान्त,** प्रबंध निदेशक-एसएआरसी-सदस्य (पदेन)

### बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी)
**श्री संजीव मल्होत्रा,** स्वतंत्र निदेशक-समिति के अध्यक्ष
**डॉ. पुष्पेंद्र राय,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री भास्कर प्रामाणिक,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री बसंत सेठ,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री बी वेणुगोपाल,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री पी. के. गुप्ता ,** प्रबंध निदेशक-आर एंड डीबी-सदस्य (पदेन)
**श्रीमती अंशुला कान्त,** प्रबंध निदेशक-एसएआरसी-सदस्य (पदेन)

### बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति (आईटीएससी)
**श्री भास्कर प्रामाणिक,** स्वतंत्र निदेशक-समिति के अध्यक्ष
**श्री संजीव मल्होत्रा,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. पुष्पेंद्र रॉय,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. पूर्णिमा गुप्ता,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री बी वेणुगोपाल,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री अरिजित बसु,** प्रबंध निदेशक-सीसीजी एंड आईटी-सदस्य (पदेन)
**श्रीमती अंशुला कान्त,** प्रबंध निदेशक-एसएआरसी-सदस्य (पदेन)

### बड़ी राशि की धोखाधड़ी की निगरानी करने के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ)
**श्री बसंत सेठ,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य-समिति के अध्यक्ष
**श्री भास्कर प्रामाणिक,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. गिरीश के. आहूजा**- स्वतंत्र निदेशक- सदस्य
**श्री बी. वेणुगोपाल,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री संजीव मल्होत्रा,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. पुष्पेंद्र राय,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री पी. के. गुप्ता,** प्रबंध निदेशक-आर एंड डीबी-सदस्य (पदेन)
**श्रीमती अंशुला कान्त,** प्रबंध निदेशक-एसएआरसी-सदस्य (पदेन)

### बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी)
**डॉ. पुष्पेंद्र राय,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य समिति के अध्यक्ष
**श्री संजीव मल्होत्रा,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. गिरीश के. आहूजा,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री भास्कर प्रामाणिक,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री बसंत सेठ,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. पूर्णिमा गुप्ता,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री पी. के. गुप्ता ,** प्रबंध निदेशक-आर एंड डीबी-सदस्य (पदेन)
**श्री अरिजित बसु,** प्रबंध निदेशक-सीसीजी एंड आईटी-सदस्य (पदेन)

### बोर्ड की हितधारक संबंध समिति (एसआरसी)
**डॉ. पुष्पेंद्र राय,** स्वतंत्र निदेशक-समिति के अध्यक्ष
**श्री संजीव मल्होत्रा,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. गिरीश के. आहूजा,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. पूर्णिमा गुप्ता,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री बी वेणुगोपाल,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री पी. के. गुप्ता,** प्रबंध निदेशक-आर एंड डीबी-सदस्य (पदेन)
**श्रीमती अंशुला कान्त,** प्रबंध निदेशक-एसएआरसी-सदस्य (पदेन)

### बोर्ड की पारिश्रमिक समिति (आरसीबी)
**श्री राजीव कुमार,** भारत सरकार के नामिती निदेशक-सदस्य (पदेन)
**श्री चन्दन सिन्हा,** भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिती निदेशक-सदस्य (पदेन)
**श्री बसंत सेठ,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. गिरीश के. आहूजा,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य

### बोर्ड की नामांकन समिति
**डॉ. गिरीश के. आहूजा,** स्वतंत्र निदेशक-समिति के अध्यक्ष
**श्री संजीव मल्होत्रा,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. पुष्पेंद्र राय,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य

### बोर्ड की वसूली निगरानी समिति (बीसीएमआर)
**श्री रजनीश कुमार,** अध्यक्ष
**श्री पी. के. गुप्ता,** प्रबंध निदेशक-आर एंड डीबी-सदस्य (पदेन)
**श्री दिनेश कुमार खारा**, प्रबंध निदेशक-जीबीएंडएस-सदस्य (पदेन)
**श्री अरिजित बसु,** प्रबंध निदेशक-सीसीजी एंड आईटी-सदस्य (पदेन)
**श्रीमती अंशुला कान्त,** प्रबंध निदेशक-एसएआरसी-सदस्य (पदेन)
**श्री राजीव कुमार,** भारत सरकार के नामिती निदेशक-सदस्य

### कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआर)
**श्री पी. के. गुप्ता,** प्रबंध निदेशक-आर एंड डीबी-समिति के अध्यक्ष
**श्री दिनेश कुमार खारा,** प्रबंध निदेशक-जीबी एंड एस-सदस्य (पदेन)
**श्री संजीव मल्होत्रा,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. पुष्पेंद्र राय,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री भास्कर प्रामाणिक,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री बसंत सेठ,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**डॉ. पूर्णिमा गुप्ता,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य
**श्री बी वेणुगोपाल,** स्वतंत्र निदेशक-सदस्य

### इरादतन चूककर्ता/असहयोगी ऋणियों की पहचान हेतु समीक्षा समिति
**श्रीमती अंशुला कान्त,** प्रबंध निदेशक-एसएआरसी-सदस्य (पदेन)
बैंक के अन्य दो स्वतंत्र निदेशक

# केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य
## दिनांक 31 मार्च 2019 को

**श्री रजनीश कुमार**
अध्यक्ष

**श्री पी. के. गुप्ता**
प्रबंध निदेशक
(रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग)

**श्री दिनेश कुमार खारा**
प्रबंध निदेशक
(ग्लोबल बैंकिंग एवं सब्सिडरीज)

**श्री अरिजित बसु**
प्रबंध निदेशक
(वाणिज्यिक ग्राहक समूह एवं सू. प्रौ.)

**श्रीमती अंशुला कान्त**
प्रबंध निदेशक
(तनावग्रस्त आस्ति, जोखिम एवं अनुपालन)

**श्री सी. वेंकट नागेश्वर**
उप प्रबंध निदेशक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह)

**श्रीमती अनुराधा राव**
उप प्रबंध निदेशक
कार्यनीति एवं मुख्य डिजिटल अधिकारी

**श्री बी. सी. दास**
उप प्रबंध निदेशक
(आंतरिक लेखापरीक्षा)

**श्री प्रशान्त कुमार**
उप प्रबंध निदेशक एवं सीएफओ
साथ में उप्रनि (मानव संसाधन) एवं
कॉरपोरेट विकास अधिकारी का
अतिरिक्त कार्यभार भी

**श्री के. वी हरिदास**
उप प्रबंध निदेशक
(रिटेल व्यवसाय)

**श्री अनिल किशोरा**
उप प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य जोखिम अधिकारी

**श्री बी. रमेश बाबू**
उप प्रबंध निदेशक
(मुख्य परिचालन अधिकारी)

**श्री पी.एन. प्रसाद**
उप प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक ग्राहक समूह-I)
साथ में उप्रनि (वाणिज्यिक ग्राहक समूह-II)
का अतिरिक्त कार्यभार भी

**श्री एस. के. वर्मा**
उप प्रबंध निदेशक
(कॉरपोरेट लेखा समूह)

**श्री डी. ए. ताम्बे**
उप प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य सूचना अधिकारी

**श्री पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता**
उप प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य ऋण अधिकारी .

**श्री सी. एस. सेट्टी**
उप प्रबंध निदेशक
(तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह)

# भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 21 (1) (क) के अंतर्गत अध्यक्ष द्वारा नामित स्थानीय बोर्डों के सदस्य, प्रबंध निदेशक (रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग) से भिन्न

## 31.03.2019 को

**अहमदाबाद**
श्री दुखबंधु रथ
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**अमरावती**
श्री मनि पल्वेसन
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**बेंगलूरु**
श्री अभिजित मजूमदार
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**भोपाल**
श्री राजेश कुमार
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**भुवनेश्वर**
श्रीमती प्रवीणा काला
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**चंडीगढ़**
श्री राणा आशुतोष सिंह
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**चेन्नई**
श्री विनय एम टोंसे
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**गुवाहाटी**
श्री सुनील कुमार टंडन
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**हैदराबाद**
श्री स्वामीनाथन जे.
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**जयपुर**
श्री विजय रंजन
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**कोलकाता**
श्री रंजन कुमार मिश्रा
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**लखनऊ**
श्रीमती सलोनी नारायण
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री बसंत सेठ*

**मुंबई**
श्री अजय कुमार व्यास
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन),
श्री संजीव मल्होत्रा*,
श्री बी. वेणुगोपाल

**नई दिल्ली**
श्री आलोक कुमार चौधरी
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री भास्कर प्रामाणिक*
डॉ. गिरीश के आहूजा*
डॉ. पुष्पेंद्र राय*
डॉ. पूर्णिमा गुप्ता*

**पटना**
श्री संदीप तिवारी
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**तिरुवनंतपुरम**
श्री एस. वेंकटरामन
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

*भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 21 (1) (ख) के अनुसार स्थानीय बोर्डों में नामित केंद्रीय बोर्ड के निदेशक

# बैंक के लेखा-परीक्षक

**मेसर्स जे सी भल्ला एंड कं.**
नई दिल्ली

**मेसर्स राव एंड कुमार**
विशाखापटनम

**मेसर्स ब्रहम्य्या एंड कं.**
चेन्नई

**मेसर्स चतुर्वेदी एंड शाह एलएलपी**
मुंबई

**मेसर्स एस के मित्तल एंड कं.**
नई दिल्ली

**मेसर्स रे एंड रे**
कोलकाता

**मेसर्स ओ पी तोतला एंड कं.**
इंदौर

**मेसर्स एन सी राजगोपाल एंड कं.**
चेन्नई

**मेसर्स के वेंकटाचलम अय्यर एंड कं.**
कोच्चि

**मेसर्स एस के कपूर एंड कं.**
कानपुर

**मेसर्स करनावट एंड कं.**
मुंबई

**मेसर्स जी पी अग्रवाल एंड कं.**
कोलकाता

**मेसर्स डे चक्रवर्ती एंड सेन**
कोलकाता

**मेसर्स कलनी एंड कं.**
जयपुर